## खबर संक्षेप

### मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने करें प्रभावी कार्यवाही: कलेक्टर

**शहडोल।** कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की उपस्थिति में जिला स्वास्थ्य एवं पोषण समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन सुनिश्चित किया जाए तथा उनकी नियमित स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण एवं आवश्यक चिकित्सकीय सेवाओं की सतत निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता, आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य विभाग का मैदानी अमला गर्भवती महिलाओं से नियमित संपर्क बनाए रखे तथा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की विशेष निगरानी की जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कुपोषित, अति कुपोषित एवं कम वजन वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें शीघ्र सामान्य श्रेणी में लाने हेतु एनआरसी केंद्र में भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु माताओं को संतुलित आहार, स्तनपान, पूरक पोषण एवं स्वच्छता संबंधी विषयों पर जागरूक किया जाए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि विभिन्न स्वास्थ्य एवं पोषण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में बेहतर समन्वय स्थापित कर लक्षित हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागो में योजनाओ के तहत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा कर प्रगति लाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास अखिलेश मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ सहित अन्य चिकित्सक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

### वरिष्ठ पत्रकार कैलाश लालवानी को मातृशोक

अश्रुपूरित नेत्रों के साथ सोन नदी तट पर हुआ सावित्री देवी जी का अंतिम संस्कार

**शहडोल।** जिले के वरिष्ठ पत्रकार कैलाश लालवानी की पूजनीया माता जी श्रीमती सावित्री देवी जी का बीते बुधवार की शाम 9 बजे शहडोल के निजी चिकित्सालय में इलाज के दौरान आकस्मिक निधन हो गया। ममता के इस आंचल के उठ जाने से लालवानी परिवार सहित पूरे संभाग के पत्रकार जगत और प्रबुद्धजनों में गहरे शोक की लहर दौड़ गई है। गुरुवार, 25 जून 2026 को दोपहर 12 बजे गमगीन माहौल में पूजनीय माताजी की अंतिम यात्रा उनके निज निवास अमलाई से निकली। इसके पश्चात बरगवां 11 नंबर स्थित सोन नदी तट पर अश्रुपूरित नेत्रों और शोकाकुल माहौल के बीच उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। मां को अंतिम विदाई देते समय वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं।

**अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब**

इस दुखद घड़ी में दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने और शोकाकुल लालवानी परिवार को ढांढस बंधाने के लिए जिले के कोने-कोने से प्रबुद्धजन पहुंचे। अंतिम संस्कार के दौरान क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यापारी, राजनेता, समाजसेवी, प्रशासनिक अधिकारी, परिजन एवं बड़ी संख्या में पत्रकार साथी मौजूद रहे। सभी ने मौन रखकर ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में उच्च स्थान देने और शोक संतप्त परिजनों को इस असहनीय वज्रपात को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

## सत्यम वीडियो के पीछे कृषि भूमि पर कटी अवैध कॉलोनी

# राजस्व अमले और रजिस्ट्री दफ्तर की जुगलबंदी से शासन को चूना!

### शहडोल में भूमाफियाओं का खुला-खेल

**शहडोल। संभागीय मुख्यालय और इसके आस-पास के इलाकों में भूमाफिया और भ्रष्ट सरकारी तंत्र का एक ऐसा कॉकटेल तैयार हो चुका है, जिसने पूरे शहर को अवैध कॉलोनियों के दलदल में धकेल दिया है। प्रशासनिक कड़ाई के खोखले दावों और एंटी-माफिया मुहिम की हवा निकालते हुए रसूखदार जमीन चोर खुलेआम बिना किसी खौफ के हरियाली निगल रहे हैं। शहर के बीचों-बीच सत्यम वीडियो के पीछे करीब तीन एकड़ की बेशकीमती कृषि भूमि पर बिना किसी वैधानिक अनुमति के अवैध प्लॉटिंग का खेल-खेला जा रहा है।**

### खसरा नंबर 333 और 335 पर गिद्ध नजर

सत्यम वीडियो के ठीक पीछे स्थित खसरा नंबर 333 और 335 की कृषि भूमि को भूमाफियाओं ने औने-पौने दामों में समेटकर रातों-रात उस पर मुरूम की पतली सडक़ें तान दीं। देखते ही देखते इस जमीन को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटकर अब तक 8 से 10 प्लॉटों की मोटी रकम में सौदेबाजी भी की जा चुकी है। ताज्जुब की बात यह है कि इस पूरे काले कारोबार की भनक जिला प्रशासन, स्थानीय नगर पालिका और राजस्व विभाग को होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने धृतराष्ट्र की तरह अपनी आंखें मूंद रखी हैं। जनता के बीच यह सवाल तेजी से गूंज रहा है कि आखिर इन सफेदपोश भूमाफियाओं को किसका अभयदान प्राप्त है।

### नियम-कायदों को रौंदकर कमाया जा रहा मुनाफा

नियमों के मुताबिक, किसी भी कृषि भूमि पर सीधे प्लॉट काटना कानूनन अपराध है। वैध कॉलोनी के लिए एक लंबी और पारदर्शी प्रक्रिया होती है, सबसे पहले कृषि भूमि को गैर-कृषि भूमि में बदलना अनिवार्य है। टाउनशिप का ले-आउट पास कराना होता है। कॉलोनी में चौड़ी पक्की सडक़ें, नालियां, बिजली के खंभे, पार्क और पानी की टंकी के लिए जगह छोडऩी पड़ती है। इसके कारण कुल जमीन का 40 से 50 फीसदी हिस्सा विकास कार्यों की भेंट चढ़ता है। यदि जमीन 500 वर्गमीटर से अधिक है या 8 से ज्यादा प्लॉट काटे जा रहे हैं, तो रेरा का कड़ा पंजीयन जरूरी है।

### अवैध प्लॉटिंग का गणित

इसके विपरीत, सत्यम वीडियो के पीछे सक्रिय भूमाफियाओं ने न तो कोई डायवर्सन कराया और न ही रेरा से अनुमति ली। इन्होंने पार्क, नाली या सडक़ के नाम पर एक इंच जमीन नहीं छोड़ी। पूरी 3 एकड़ भूमि के लगभग 80 फीसदी हिस्से पर बेतरतीब प्लॉट काट दिए ताकि मुनाफा कई गुना बढ़ाया जा सके।

### उपपंजीयक (रजिस्ट्री) कार्यालय की भूमिका संदिग्ध

इस पूरे गोरखधंधे की सबसे मजबूत कड़ी उपपंजीयक कार्यालय (रजिस्ट्री दफ्तर) बना हुआ है। नियमों के मुताबिक एक ही खसरा नंबर के बार-बार टुकड़े कर छोटे भूखंड बेचना प्रतिबंधित है, लेकिन रजिस्ट्री बाबू और अफसरों की कमीशन सेटिंग के चलते धड़ल्ले से रजिसट्रियां की जा रही हैं। किसानों से सस्ते में जमीन हथियाकर उसे आवासीय बताकर लाखों में बेचने के इस खेल में रजिस्ट्री दफ्तर के अधिकारियों की जेबें हरी हो रही हैं, जबकि मध्य प्रदेश शासन को हर साल करोड़ों रुपये के स्टांप शुल्क और डायवर्सन टैक्स का सीधा नुकसान हो रहा है।

### कलेक्टर साहब! अब आपसे है उम्मीद

शहर के जागरूक नागरिकों ने अब नए कलेक्टर से गुहार लगाई है कि सत्यम वीडियो के पीछे और शहर के बाहरी इलाकों में चल रहे इस संगठित भू-अपराध की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। बिना अनुमति के की गई अवैध रजिस्ट्रियों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर, इसमें संलिप्त उपपंजीयक, राजस्व अधिकारियों, दलालों और भूमाफियाओं को जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाए, वरना शहडोल आने वाले समय में अवैध झुग्गी-झोपडय़ों और विवादित जमीनों का टापू बन जाएगा।

# स्व-सहायता समूह की महिलाएं बढ़ रही स्वावलंबन की ओर: विधायक

## व्यवसायिक प्रशिक्षण सह कुकिंग प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

### विधायक, कमिश्नर, कलेक्टर ने चखा स्वाद,मिला प्रमाण पत्र

**शहडोल।** प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत रसोई सह सहायको का व्यवसायिक प्रषिक्षण एवं कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन जनपद पंचायत सोहागपुर के सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने मॉ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दी प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियो ने स्व सहायता समूह की महिलाओ द्वारा बनाएं गए व्यंजन का स्वाद चखा।

विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेष के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिलाओ के सषक्तिकरण के लिए लगातार कार्य किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महिलाएं स्व-सहायता समूह के माध्यम से खुद का व्यवसाय एवं रोजगार के साधन जुटा कर स्वावलंबन की ओर आगे बढ़ रही है। वहीं महिलाएं कुकिंग का प्रषिक्षण प्राप्त कर घर-परिवार के लिए पौष्टिक एवं संतुलित आहार बनाने का भी कार्य करती है। कुकिंग प्रतियोगिता में स्व-सहायता समूह की 85 महिलाओ ने भाग लिया एवं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली महिलाओ को सम्मानित भी किया गया।

इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग,श्रीमती अध्यक्ष जनपद पंचायत श्रीमती हीरावती कोल, उपाध्यक्ष शक्ति सिंह, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गलैक्सी नागपुरे, सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा, डीपीसी अमरनाथ सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

# सतर्क रहे, सुरक्षित रहे, जागरूक रहे

### सायबर सुरक्षा हेतु बनें जागरूक, बरतें सावधानी और निभाएं सहभागिता: पुलिस अधीक्षक

**शहडोल।** पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने जिले के नागरिको से अपील करते हुए कहा है कि जिले में नागरिकों को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखने और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 8 जुलाई तक साइबर जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 चलाया जा रहा है। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन, विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को साइबर ठगी तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति जागरूक करना है जिससे वे सुरक्षित साइबर व्यवहार अपना सकें।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सायबर सुरक्षा के लिए 3 सूत्र अपनाए जिसमें जागरूकता, सावधानी और सहभागिता शामिल है। अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी और बैंकिंग जानकारी भी किसी से साझा न करें। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की सूचना तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या आधिकारिक वेबसाइट पर दें और एक सुरक्षित डिजिटल समाज के निर्माण में सहभागी बनें।

# गांव के पास मिला 4 दिन पुराना शव

### हत्या कर लाश फेंकने की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

**शहडोल।** जिले के शहडोल-रीवा मुख्य मार्ग पर ब्यौहारी थाना क्षेत्र के मऊ गांव के पास उस वक्त हडक़ंप मच गया, जब सडक़ किनारे एक अज्ञात युवक का कई दिन पुराना शव बरामद हुआ। शव मिलने की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई और मौके पर ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा। सूचना मिलते ही ब्यौहारी पुलिस ने मोर्चा संभाला और मामले को संदिग्ध मानते हुए बारीकी से तफ्तीश शुरू कर दी है।

खबर है कि मऊ गांव के समीप हाईवे किनारे से गुजर रहे राहगीरों और स्थानीय लोगों को असहनीय दुर्गंध आ रही थी। जब कुछ ग्रामीणों ने हिम्मत जुटाकर झाडिय़ों की तरफ रुख किया, तो सडक़ से करीब 20 फीट नीचे एक लगभग 40 वर्षीय अज्ञात पुरुष का शव देखकर उनके होश उड़ गए। शव की हालत इतनी खराब थी कि उसे देख पाना भी मुश्किल था। कयास लगाए जा रहे हैं कि युवक की मौत करीब 4 से 5 दिन पहले हो चुकी है। शरीर के सडऩे के कारण आशंका जताई जा रही है कि यह साधारण मौत नहीं, बल्कि हत्या कर साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से शव को हाईवे किनारे फेंका गया है।

ब्यौहारी थाना प्रभारी जिया उल हक ने दलबल के साथ घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस हर एंगल से इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने में जुट गई है। फिलहाल आसपास के सभी थानों में पिछले एक हफ्ते के भीतर गुमशुदा हुए व्यक्तियों का रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है।

### इनका कहना है...

मामला संदिग्ध है, हम फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम को बुला रहे हैं। वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आएगी। जल्द ही मृतक की पहचान कर ली जाएगी।

**जिया उल हक**
**थाना प्रभारी, ब्यौहारी**

# जगन्नाथ रथ यात्रा और मोहर्रम को लेकर शहडोल प्रशासन अलर्ट

### चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगे मजिस्ट्रेट

**शहडोल।** आगामी भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा और मोहर्रम पर्व के दौरान जिले की फिजा बिगाडऩे की कोशिश करने वाले शरारती तत्वों पर जिला प्रशासन ने अभी से शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। शांति और कानून-व्यवस्था को हर हाल में कायम रखने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. केदार सिंह ने कड़ा रुख अपनाते हुए पूरे जिले में कार्यपालिक दंडाधिकारियों (मजिस्ट्रेट) की फौज उतार दी है। 26 जून को निकलने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा और 16 जून से 10 जुलाई तक चलने वाले मोहर्रम पर्व के दौरान सभी अनुभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार और कार्यपालिक दंडाधिकारी अपने-अपने इलाकों में मुस्तैद रहेंगे।

### लापरवाही बर्दाश्त नहीं, तुरंत होगी कार्रवाई

प्रशासनिक अमले को साफ हिदायत दी गई है कि वे केवल दफ्तरों में न बैठें, बल्कि जमीन पर उतरकर पुलिस के साथ कड़ा समन्वय बनाएं। शांति समिति की बैठकों के जरिए हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर पैनी नजर रखने को कहा गया है।

त्योहारों के दौरान सौहार्द बिगाडऩे की किसी भी साजिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संवेदनशील इलाकों में सतत निगरानी रखी जाए और किसी भी आपात स्थिति में ऑन-स्पॉट सख्त एक्शन लिया जाए

**डॉ. केदार सिंह**
**कलेक्टर, शहडोल**

## सीवर कंपनी की खुली गुंडागर्दी

# मदन एजेंसी के पीछे सडक़ खोदकर छोड़ी

**शहडोल।** संभागीय मुख्यालय की नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 11/15 में विकास के नाम पर विनाश का खेल धड़ल्ले से जारी है। रीवा रोड स्थित मदन एजेंसी के पीछे सीवर लाइन बिछाने वाली ठेका कंपनी की घोर लापरवाही ने पूरे इलाके के रहवासियों का जीना मुहाल कर दिया है। अच्छी-भली पक्की सडक़ की छाती चीरकर खोदे गए जानलेवा गड्ढे ने अब एक बड़े हादसे का बैकग्राउंड तैयार कर दिया है, लेकिन कुंभकर्णी नींद में सोई नगर पालिका को जनता की जान की कोई परवाह नहीं है।

### मिट्टी पाटकर भागे लापरवाह कर्मचारी

स्थानीय लोगों के भारी विरोध के बाद सीवर कंपनी के गैर-जिम्मेदार कर्मचारियों ने गड्ढे को ठीक करने के बजाय उसमें सिर्फ मिट्टी भरकर अपनी औपचारिकता पूरी कर ली और रफूचक्कर हो गए। गुरुवार की सुबह जब नल की सप्लाई शुरू हुई, तो कंपनी के घटिया काम की पोल पट्टी पूरी तरह खुल गई। खुदाई के दौरान फूटी पानी की मुख्य पाइपलाइन से भयंकर रिसाव होने लगा। देखते ही देखते पूरा गड्ढा पानी से लबालब हो गया, जिससे पूरी मिट्टी धंस गई और सडक़ बीचों-बीच से पूरी तरह बैठ गई।

### पैदल चलना भी हुआ मुहाल

इस दलदल और धंसी हुई सडक़ के कारण वार्डवासियों का अपने ही घरों से पैदल निकलना दूभर हो चुका है। दोपहिया वाहन चालक जान हथेली पर रखकर यहां से गुजर रहे हैं। वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि पूरी सडक़ को फौरन नए सिरे से दुरुस्त नहीं किया गया, तो कोई भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है।

### इनका कहना है...

मामला संज्ञान में आया है। तत्काल हमारी टीम मौके पर जाकर स्थल का निरीक्षण करेगी। पाइपलाइन को सुधारा जाएगा और सडक़ को दुरुस्त कराकर जनता की परेशानी दूर की जाएगी।

**निशांत ठाकुर**
**मुख्य नगर पालिका अधिकारी, शहडोल**

# अमलाई में पलास की लकड़ी से भरा ट्रक ज़ब्त

### 48 घंटे में दूसरी बड़ी कार्यवाही

**शहडोल।** जिले के हरे-भरे जंगलों को खोखला करने वाले वन माफियाओं के खिलाफ वन विभाग की फ्लाइंग स्क्वाड (उडऩदस्ता) टीम ने अब तक का सबसे बड़ा मास्टर स्ट्रोक खेला है। लकड़ी तस्करों के पूरे सिंडिकेट को नेस्तनाबूद करने के इरादे से उतरी टीम ने अमलाई स्थित सोडा फैक्ट्री के पास नाकेबंदी कर अवैध पलास की लकड़ी से लदे एक विशालकाय ट्रक को रंगे हाथों दबोच लिया। महज दो दिनों के भीतर वन विभाग की यह दूसरी इतनी बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक है, जिससे पूरे शहडोल संभाग के लकड़ी माफियाओं में हडक़ंप मच गया है और तस्करों के हौसले पूरी तरह पस्त हो चुके हैं।वन विभाग की टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अमलाई के रास्ते भारी मात्रा में बिना किसी वैध दस्तावेज के इमारती और कीमती लकडिय़ों की तस्करी की जा रही है। टीम ने बिना वक्त गंवाए सोडा फैक्ट्री के पास जाल बिछाया। जैसे ही संदिग्ध ट्रक वहां पहुंचा, उसे चारों तरफ से घेर लिया गया। जांच करने पर ट्रक में अवैध रूप से काटी गई पलास की लकडिय़ां भरी पाई गईं। जब चालक से परिवहन से जुड़ा वैध ट्रांजिट पास (टीपी) मांगा गया, तो उसके पसीने छूट गए। कोई भी पुख्ता दस्तावेज न मिलने पर टीम ने फौरन कार्रवाई करते हुए ट्रक समेत करीब 6 घन मीटर पलास की लकड़ी को राजसात कर जब्त कर लिया।इस कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि शहडोल में वन माफियाओं का एक बहुत बड़ा और संगठित नेटवर्क सक्रिय है, जो रातों-रात जंगलों को साफ करने में जुटा है। महज 48 घंटे पहले ही उडऩदस्ता टीम ने टोल प्लाजा के पास नाकेबंदी कर 12 चक्का और 18 चक्का वाले बड़े ट्रकों को दबोचा था, जिनसे 18 घन मीटर अवैध पलास की लकड़ी बरामद हुई थी। दो दिनों के भीतर कुल मिलाकर करीब 24 घन मीटर बेशकीमती लकड़ी की जब्ती यह बयां करने के लिए काफी है कि वन विभाग अब आर-पार के मूड में है।

### इनका कहना है...

बिना टीपी के लकड़ी परिवहन करते एक ट्रक टोल प्लाजा के पास पकड़ कर कार्यवाही की थी, एक सूचना और शिकायत के बाद अमलाई सोडा फैक्ट्री के पास से बिना टीपी की एक पलास लोड वाहन जप्त कर कार्यवाही की गई है, दोनों जप्त वाहनों में टीपी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए थी, जिसके चलते कार्यवाही की गई है।

**श्रद्धा पन्द्रे**
**दक्षिण वनमण्डलाधिकारी**
**शहडोल**

## खबर संक्षेप

### सांसद ने बनगवां परिषद की बैठकों हेतु नियुक्त किया अपना प्रतिनिधि

**हरिभूमि न्यूज राजनगर।** शहडोल लोकसभा क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह ने नगर परिषद बनगवां (राजनगर) स्तर की प्रशासनिक एवं विकास संबंधी बैठकों के लिए मनोज सिंह (पत्रकार एवं समाजसेवी) को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार सांसद हिमाद्री सिंह ने मनोज सिंह, निवासी शांति नगर कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 15, नगर परिषद बनगवां (राजनगर) को नगर परिषद स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों में अपने प्रतिनिधि के रूप में नामित किया है। सांसद के किसी कारणवश बैठक में उपस्थित न होने की स्थिति में मनोज सिंह उनके प्रतिनिधि के रूप में बैठकों में शामिल होकर विचार-विमर्श एवं आवश्यक सुझाव प्रस्तुत करेंगे। इस नियुक्ति की सूचना कलेक्टर अनूपपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनूपपुर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा तथा मुख्य नगर परिषद अधिकारी बनगवां (राजनगर) को प्रेषित की गयी है। मनोज सिंह की नियुक्ति से क्षेत्रीय विकास कार्यों, जनसमस्याओं के निराकरण तथा स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है। श्री सिंह की इस नियुक्ति से कोयलांचल क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, इंस्ट मित्रों एवं शुभचिंतकों ने शुभकामनाये प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की एवं बधाइयां दी।

### 29 जून को आयोग की अध्यक्षता में सुनवाई

**उमरिया।** माननीय आयोग के अध्यक्ष की अध्यक्षता में उमरिया में लंबित प्रकरणों व नये आवेदन पत्रों की सुनवाई 29 जून को प्रातः 11 बजे से कलेक्टर सभागार में की जाएगी। सर्व संबंधितों से नियत तिथि एवं समय पर उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

### कम वर्षा की स्थिति में वैकल्पिक फसलों का उत्पादन करें कृषक

**उमरिया।** उप संचालक कृषि ने बताया कि आगामी खरीफ सीजन में एल-नीनो के प्रभाव तथा कम वर्षा की संभावित स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग, उमरिया द्वारा किसानों के लिए विशेष कृषि आकस्मिक योजना तैयार की गई है। किसानों से अपील की गई है कि वे कम पानी की उपलब्धता की स्थिति में वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों एवं वैकल्पिक फसलों को अपनाकर अपनी लागत एवं उत्पादन को सुरक्षित रखें।उन्होंने बताया कि सीमित जल उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए किसान धान की पारंपरिक रोपाई के स्थान पर डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) पद्धति से सीधी बुवाई करें, जिससे पानी की पर्याप्त बचत होगी। साथ ही, संकर (हाइब्रिड) धान के बजाय कम अवधि में पकने वाली किस्मों जैसे जेआर-206, जेआर-201 एवं आईआर-64 का चयन करें।उप संचालक कृषि ने बताया कि यदि 15 जुलाई तक पर्याप्त वर्षा नहीं होती है, तो किसान धान के स्थान पर कम पानी में होने वाली मोटे अनाज की फसलें जैसे कोदो, कुटकी एवं रागी की बुवाई को प्राथमिकता दें।उन्होंने किसानों को सलाह दी कि सोयाबीन, मूंग एवं उड़द जैसी दलहनी एवं तिलहनी फसलों की बुवाई रिज एवं फरो (मेड़ एवं नाली) पद्धति से करें। इससे कम वर्षा की स्थिति में नमी का संरक्षण होता है तथा अधिक वर्षा होने पर जल निकास भी सुगमता से हो जाता है। सूखे के जोखिम को कम करने के लिए सोयाबीन, अरहर (4रू2) अथवा मक्का, अरहर (2रू1) की अंतरवर्तीय खेती अपनाने की भी सलाह दी गई है।उन्होंने कहा कि इस वर्ष कम वर्षा एवं सूखे की संभावना को देखते हुए सभी किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अपनी फसलों का बीमा अनिवार्य रूप से कराएं, ताकि किसी भी विपरीत परिस्थिति में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।उप संचालक कृषि ने किसानों से खेतों में समय पर मेड़बंदी, जल संचयन तथा निराई-गुड़ाई कर मिट्टी की नमी संरक्षित रखने की अपील की। साथ ही मृदा परीक्षण की अनुशंसा के अनुसार संतुलित उर्वरकों का उपयोग करने तथा नाइट्रोजन (यूरिया) का प्रयोग विभाजित मात्रा में करने की सलाह दी।उन्होंने कहा कि मौसम में हो रहे परिवर्तनों को देखते हुए किसान कृषि विभाग एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा समय-समय पर जारी मौसम आधारित कृषि सलाह का पालन करें। साथ ही, भारत सरकार के मौसम मोबाइल एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर नियमित मौसम संबंधी जानकारी एवं कृषि परामर्श प्राप्त करें।

# खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

उमरिया।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा लगातार सघन जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। प्राप्त शिकायत के आधार पर प्रभारी अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी, सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी, खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस. आर्मो के नेतृत्व में खनिज अमले ने संबंधित क्षेत्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान ग्राम घुनघुटी स्थित रेलवे स्टेशन के पीछे टी.वी. टॉवर के समीप लगभग 21 ट्रैक्टर-ट्रॉली (करीब 63 घनमीटर) रेत का अवैध भंडारण पाया गया। भंडारित रेत के संबंध

में स्टेशन मास्टर, रेलवे कर्मचारियों एवं स्थानीय ग्रामीणों से पूछताछ की गई, किन्तु किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था ने रेत पर स्वामित्व का दावा नहीं किया। परीक्षण उपरांत उक्त रेत को लावारिस घोषित करते हुए नियमानुसार जप्त कर लिया गया। खनिज अमले ने एक जेसीबी एवं चार ट्रैक्टरों की सहायता से रेत को हटवाकर वन चौकी घुनघुटी परिसर में सुरक्षित रखवाया। जप्त सामग्री को वन चौकी प्रभारी घुनघुटी एवं बाबा महाकाल प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि श्री अक्षित सिंह कौशिक के सुपुर्द कलेक्टर के आगामी आदेश तक सुरक्षित रखा गया है। मध्यप्रदेश खनिज अवैध (खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन द्वारा तहसील करकेली के ग्राम उजान सहित जिले के अन्य क्षेत्रों में भी लगातार सघन जांच अभियान संचालित किया जा रहा है, ताकि अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

### कलेक्टर ने विकासखंडवार सर्वे दल का किया गठन

**उमरिया।** भारत सरकार के खान मंत्रालय तथा मध्यप्रदेश शासन के निर्देशों के तहत जिले में खदानों अथवा खदान समूहों के 15 किलोमीटर के प्रत्यक्ष प्रभावित क्षेत्र एवं 25 किलोमीटर के अप्रत्यक्ष प्रभावित क्षेत्र का बेसलाइन सर्वे आधारित एरिया मैपिंग एवं सत्यापन कराया जाएगा। इस कार्य के लिए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने विकासखंडवार सर्वे दलों का गठन किया है।कलेक्टर ने बताया कि जिले के अंतर्गत खदानों एवं खदान समूहों से प्रभावित क्षेत्रों में आने वाले ग्राम, ग्राम पंचायत, नगर पालिका परिषद तथा नगर पंचायतों के वार्डों का बेसलाइन सर्वे के आधार पर एरिया मैपिंग का सत्यापन किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक विकासखंड में प्रत्यक्ष प्रभावित (डायरेक्ट अफेक्टेड) ग्रामों एवं वार्डों तथा अप्रत्यक्ष प्रभावित क्षेत्रों का सत्यापन किया जाएगा।

उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सर्वे के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी ग्राम, ग्राम पंचायत अथवा शहरी वार्ड का नाम शासन स्तर पर किसी अन्य जनपद पंचायत या विकासखंड में गलत रूप से मैप न हुआ हो। साथ ही, 15 किलोमीटर की परिधि में आने वाले प्रत्यक्ष प्रभावित तथा 25 किलोमीटर की परिधि में आने वाले अप्रत्यक्ष प्रभावित ग्राम, ग्राम पंचायत एवं शहरी वार्डों की सही पहचान की जाए और उनकी जनसंख्या का भी सत्यापन किया जाए।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर 15 दिवस के भीतर पूर्ण करते हुए बेसलाइन सर्वे के आधार पर एरिया मैपिंग निर्धारित प्रारूप में तैयार करें तथा गठित समिति के सभी सदस्यों के हस्ताक्षर सहित वास्तविक एवं प्रमाणिक जानकारी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

## झलवार के बाद अब चंसुरा में किसान को उतारा मौत के घाट

# बांधवगढ़ बफर जोन में आदमखोर का खूनी तांडव

### वन अमले के खिलाफ फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

उमरिया।

बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व के पनपथा वन परिक्षेत्र में एक बाघ पूरी तरह से आदमखोर हो चुका है। झलवार गांव में दो मासूम जिंदगियों को बेरहमी से लीलने के बाद, इस खूंखार बाघ ने महज 5 किलोमीटर दूर चंसुरा गांव में अपना अगला शिकार ढूंढ लिया। गुरुवार की अलसुबह महुआ का फल (गोही) बीनने गए 58 वर्षीय किसान अन्नू रजक पिता काशी रजक पर झाड़ियों में घात लगाए बैठे बाघ ने पीछे से जानलेवा हमला कर दिया। बाघ अन्नू को घसीटते हुए घने जंगल में ले गया, जहाँ उसने दम तोड़ दिया।

### दो दिन में तीन मौतें

इलाके में बाघ के इस खूनी खेल से कोहराम मचा हुआ है। अभी दो दिन पहले ही झलवार गांव में इसी बाघ ने फूल बाई और उसके भतीजे कल्याण सिंह को अपना निवाला बनाया था। उस खौफनाक मंजर की राख अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि चँसुरा में तीसरी मौत से पूरा इलाका दहल उठा है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन अमला हाथ पर हाथ धरे बैठा है और अधिकारी एसी कमरों से बाहर निकलने को तैयार नहीं हैं।

### हाथियों की मदद से खोजा शव

घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने जब शोर मचाया, तब जाकर वन अमले की नींद टूटी। मौके पर हाथियों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर मृतक अन्नू रजक का क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया, जिसे पोस्टमार्टम के लिए अमरपुर अस्पताल भेजा गया है। अस्पताल परिसर में भी ग्रामीणों का भारी आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि इस आदमखोर बाघ को तुरंत ट्रेंकुलाइज (पकड़ा) नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन को मजबूर होंगे।

## अनूपपुर जिले में 10 हजार से अधिक प्राचीन पांडुलिपियों का हुआ दस्तावेजीकरण, खोज जारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

प्राचीन ज्ञान, दुर्लभ अभिलेखों और ऐतिहासिक ताड़पत्रों के संरक्षण तथा उन्हें भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित करने के उद्देश्य से जिले में ज्ञान भारतम मिशन के तहत राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। कलेक्टर हर्षल पंचोली के कुशल मार्गदर्शन में जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद् की विशेष टीम ने अब तक जिले में 10,544 प्राचीन पांडुलिपियों को खोजकर उनकी जानकारी आधिकारिक ऐप पर अपलोड कर दी है। सर्वेक्षण टीम द्वारा अमरकंटक और उसके आस-पास के क्षेत्रों में सघन अभियान चलाकर इन बहुमूल्य धरोहरों को संकलित किया जा रहा है, और आने वाले दिनों में इस आंकड़े में और बड़ी वृद्धि होने की संभावना है। सर्वेक्षण के दौरान टीम ने क्षेत्र के प्रतिष्ठित विद्वान पंडित कामता प्रसाद द्विवेदी के पास सुरक्षित उनके पूर्वजों द्वारा लिखित अत्यंत दुर्लभ पांडुलिपियों को खोज निकाला है। इन ऐतिहासिक दस्तावेजों में देवी तंत्र, हनुमत तंत्र, और कर्मकांड के विशिष्ट तंत्र प्रयोगों के साथ-साथ महर्षि वाल्मीकि कृत प्राचीन शास्त्रों का अनूठा संग्रह शामिल है। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित इस महत्वपूर्ण मिशन के तहत पूरे देश में 16 मार्च से 30 जून तक यह विशेष डिजिटलीकरण और दस्तावेजीकरण अभियान चलाया जा रहा है, ताकि देश की इस अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पटल पर संरक्षित किया जा सके। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में जिले के नागरिकों से सक्रिय सहभागिता की अपील की है। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी नागरिक, प्राचीन आश्रम, धार्मिक स्थल या निजी पुस्तकालय के पास 75 वर्ष या उससे अधिक पुरानी हस्तलिखित कृतियाँ, ताम्रपत्र, भोजपत्र या दस्तावेज उपलब्ध हैं, तो वे इसकी सूचना प्रशासन को अवश्य दें। इन पांडुलिपियों की पहचान अत्यंत सरल है; ये आमतौर पर लाल या मैरून रंग के कपड़ों में अत्यंत सुरक्षित ढंग से बांधी हुई मिलती हैं। नागरिक इस सर्वेक्षण का हिस्सा बनने के लिए स्वयं गूगल प्ले स्टोर से श्ज्ञान भारतम ऐपश डाउनलोड कर जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, वे जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद् के पर्यटन प्रबंधक अजय अग्रवाल से मोबाइल नंबर 8085770275 पर सीधा संपर्क कर सकते हैं, जिसके बाद विशेषज्ञों की टीम संबंधित स्थान पर पहुंचकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करेगी।

## राजनगर के अश्विनी कुमार सिंह ने 70वीं बीपीएससी में रचा इतिहास

### कोयलांचल नगरी कोयले की खान से निकला हीरा

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

कोयले की खदानों के लिए पहचान रखने वाली कोयलांचल नगरी राजनगर को एक नया गौरव मिला है। अनूपपुर जिले के नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के शांतिनगर कॉलोनी, निवासी अश्विनी कुमार सिंह पिता यूपी सिह ने 70वीं बीपीएससी परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे नगर और जिले का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि को लोग कोयले की खान से निकला हीरा बताकर गर्व महसूस कर रहे हैं। अश्विनी कुमार सिंह की सफलता ने यह साबित कर दिया है, कि सीमित संसाधनों और छोटे नगर से निकलकर भी बड़े सपनों को साकार किया जा सकता है। कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और निरंतर अध्ययन के बल पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता की खबर मिलते ही राजनगर सहित पूरे क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया। जैसे ही परिणाम घोषित हुआ। परिजनों, मित्रों और शुभचिंतकों ने अश्विनी को बधाई देना शुरू कर दिया। नगर के लोगों ने मिठाई बांटकर अपनी खुशी जाहिर की और इसे राजनगर के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। युवाओं ने उनकी सफलता को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि अश्विनी ने मेहनत और लगन की मिसाल पेश की है। अश्विनी कुमार सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और शुभचिंतकों को देते हुए कहा, कि नियमित अध्ययन, सकारात्मक सोच और परिवार के सहयोग ने उन्हें यह सफलता दिलाई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में वे परी निष्ठा और ईमानदारी के साथ समाज एवं देश की

सेवा करना चाहते हैं। राजनगर जैसे कोयलांचल क्षेत्र से निकलकर बीपीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त करना क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि लक्ष्य बड़ा हो और प्रयास निरंतर हों तो सफलता अवश्य मिलती है। इस उपलब्धि पर नगर परिषद राजनगर के अध्यक्ष यशवंत सिंह, उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, पार्षद समय पटेल, मनोज चंदेल, गिरिजा विश्वकर्मा, बृजेश कुशवाहा, जितेन्द्र पनिका, राणा धीरेंद्र सिंह, मनोज सिंह, रवि शंकर सिंह, सुरेश गौतम, हरिशंकर दुबे, जेपी श्रीवास्तव, कमलेश चतुर्वेदी, सचिन द्विवेदी, पंकज शर्मा, नारायण साहू, हरिलाल साकेत, सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने अश्विनी कुमार सिंह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

### बारिश नहीं होने से लोग उमस भरी गर्मी से बेहाल

**हरिभूमि न्यूज कोतमा।** नगर सहित पूरे अंचल में बारिश नहीं होने से लोग उमस भरी गर्मी से बेहाल हैं। आसमान में बादल छाने के बावजूद पानी नहीं बरस रहा भीषण गर्मी से आम जनता परेशान है वहीं किसान मानसून के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं ताकि वे अपनी खेती का काम शुरू कर सकें। तेज धूप और बादलों की लुकाछिपी के कारण हवा में नमी बढ़ गई है इससे लोगों को पसीना और बेचैन करने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। उमस इतनी ज्यादा है कि पंखे और कूलर की हवा भी बेअसर साबित हो रही है। मानसून के तय समय में देरी होने से किसान बहुत चिंतित हैं। धान और अन्य खरीफ फसलों की बुवाई के लिए किसान खेतों की जुताई कर के अच्छी बारिश की पहली फुहार का इंतजार कर रहे हैं। कुछ जगहों पर किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए मोटर पंप के जरिए सिंचाई करने की कोशिश कर रहे हैं। मौसम जानकारों के अनुसार, प्री-मानसून की गतिविधियां और मानसूनी हवाओं के आगे बढ़ने की उम्मीद बनी हुई है। क्षेत्र में जल्द ही अच्छी बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। किसान खेती के लिए खाद्य बीज लेने सोसायटी एवं निजी दुकानो मे पहुंचकर खरीददारी करने मे जुटे हुए हैं।

# ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री सड़क की अधिकारियों से की मरम्मत कार्य की मांग

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की सोच थी कि ग्रामीण अंचल में क्षेत्रवासियों को सुलभ आवागमन हेतु प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गांवों को शहर से जोड़ा जाये और उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सौगात दी थी लेकिन इसका फायदा क्षेत्र में भारी वाहन चालक उठाते हुए सड़कों को जर्जर करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। केशवाही रोड से रेउला गांव होकर लामाटोला गांव तक जाने वाली सड़क की स्थिति काफी जर्जर है. इससे वहां की बड़ी आबादी को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई गई यह सड़क कई गांव को जोड़ने वाली मुख्य सड़क है. इसके बावजूद कई वर्षों से यह सड़क जर्जर पड़ी है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और गिट्टी निकलने के कारण लोगों ने अब इस सड़क से आना-जाना छोड़ दिया है. बगल की कच्ची सड़क से लोग आवागमन करते हैं. ऐसे में लोगों को कोतमा बाजार पहुंचाना, बच्चों की पढ़ाई के लिए स्कूल आना जाना, रोगियों को डॉक्टर के पास ले जाने में ग्रामीणों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। निर्माण के कुछ वर्षों बाद ही सड़क हो गई थी जर्जर बरसात के मौसम में सड़क की हालात बद से बदतर हो जाती है. विदित हो कि निर्माण के कुछ वर्षों बाद ही सड़क जर्जर हो गई थी. सड़क की हालत इतनी बदतर है कि अब इस पर अलकतरा भी नजर

नहीं आता है. इस पर दो पहिया वाहन और साइकिल चालक भी स्लिप करते हैं. कोई भी चार पहिया वाहन चालक इस रोड में आना नहीं चाहता है. ग्रामीणों का मानना है कि इससे अच्छा तो कच्ची सड़क है. इसमें केवल बरसात में ही परेशानी होती है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनने वाली सड़क की क्षमता 12 टन होती है, जबकि इस मार्ग पर भारी वाहनों की क्षमता 40 टन होती है। जिसकी वजह से क्षेत्र के प्रधानमंत्री सड़क पूरी तरह से जर्जर होने के कगार पर हैं। अंचल में विकास से कोसों दूर कहे जाने वाले ग्रामीण क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क ग्रामीणों के लिये वरदान साबित हो रहा, किन्तु प्रधानमंत्री सड़क पर बीस से लेकर 40 टन वजनी भारी व्यावसायिक वाहनों का धड़ल्ले से उपयोग करने से पूरे क्षेत्र की सड़कें बदहाल कर दी हैं। जबकि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत यदि सड़क जर्जर हो रही है तो प्रधानमंत्री सड़क योजना के अधिकारियों को साल में एक बार गढ्ढो की पिचिंग का कार्य करवाना चाहिए लेकिन अधिकारियों के द्वारा ऐसा नहीं किए जाने के कारण सड़क में जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं लोगों को आवागमन करने में परेशानी हो रही है। प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत ठेकेदार को 5 साल तक सड़क का मेंटेनेंस कार्य करने की जिम्मेदारी रहती है लेकिन अधिकारियों की मिली भगत के कारण ठेकेदार के द्वारा प्रधानमंत्री सड़क का मेंटेनेंस कार्य नहीं कराया जा रहा है। केशवाही से लामा टोला गांव जाने वाली सड़क के शुरूआत मे ही बंजारी चौराहा से दर्जनों गड्ढों की शुरुआत हो जाती है और उसमें जब बारिश होती है तो और भी सुहाना नजर आने लगता है जब गड्ढों मे पानी भर जाता है। गड्ढों मे पानी भरे होने के कारण जब कोई बड़ा वाहन वहा से गुजरता है तो पानी का छींटा सड़क के किनारे स्थित दुकानों एवं घरों मे जाता है। ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री सड़क की जर्जर हालत को देखते हुए अधिकारियों से सड़क की मरम्मत कार्य करवाये जाने की मांग की है।

# विद्युत नगरी चचाई में चोर एवं कबाड़ियों ने मचाया आतंक

हरिभूमि न्यूज चचाई।

विद्युत नगरी चचाई में नए प्लांट का निर्माण कार्य प्रारंभ होते ही स्थानीय चोरों एवं कबाड़ियों ने मंडल आवासों का कबाड़ा कर दिया मंडल के अच्छे आवासो में चोरों एवं कबाड़ियों ने थाना चचाई की निष्क्रियता के चलते खुलेआम दिन हो या रात आवासो के ताला तोड़ तार, पंखा, खिड़की, दरवाजा, शटर चुरा ले गए सूने आवासो को साफ कर दिया वर्ष भर में सैकड़ो आवासो को खंडहर बना दिया किंतु चोर कभी पकडे नहीं गए सरकारी संपत्ति लुटती गई इसका असर ना तो थाना ना ही मंडल अधिकारियों को पड़ा किंतु दहशत में मंडल कर्मचारी एवं आम लोगों पर बना हुआ है।

### कर्मचारियों ने किया पुलिस का काम

लगातार हो रही चोरियों पर पुलिस की नाकामी को देखते हुए डीई कॉलोनी के आधा सैकड़ा युवा मंडल कर्मचारियो ने सीसीटीवी लगा रात्रि में निगरानी करने लगे इसी बीच 23-24 जून की रात 2 बजे के करीब तीन चोरों ने डीई 262 में चोरी का प्रयास करते दिखने पर कर्मचारियों ने घेराबंदी कर पकड़ने का प्रयास किया जिसमें सत्येंद्र पटेल निवासी डीएफ कॉलोनी चचाई को मौके से पकड़ लिया जबकि दूसरा कृष्णा सिंह ठाकुर डीएफ कॉलोनी

निवासी एवं उसका साथी भागने में सफल रहे पकड़े गए चोरों को कर्मचारियों ने पुलिस के सुपुर्द किया।

### सिविल अधिकारी व कर्मचारियों ने की रिपोर्ट

घटना के बाद सिविल विभाग के सहायक अभियंता एसके जैन कर्मचारियों में विनीत मिश्रा, मनीष शुक्ला, मनोज कुमार, मेखचंद पाटीदार, समीर बढई, संजय मांझी, संदीप पारधी, जय सिंह, भूपेंद्र भलावी, जितेंद्र निवारे, कौशल श्रीवास्तव, सुभाष परते, ओमेश लिल्होरे, आधा सैकड़ा कर्मचारियों ने थाने में लिखित आवेदन दे नाम जद रिपोर्ट दर्ज कराई जिसमें सत्येंद्र पटेल और कृष्णा सिंह ठाकुर एवं उनके एक अज्ञात साथी पर रिपोर्ट दर्ज हुई जिस पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 331 (4), 305 (ए), 317 (2), 3(5) बीएनएस पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया कर्मचारियों के अनुसार कई माह से हो रही चोरियों से परेशान कर्मचारियों ने चोरों को पकड़ने का निर्णय लिया।

### कर्मचारियों ने कार्यपालक निदेशक को लिखा पत्र

मंडल कर्मचारी कई माह से स्थानीय चोरों व स्थानीय कबाड़ियों द्वारा सूने घरों में चोरी खाली आवासों के दरवाजा, खिड़की, शटर आदि चोरी कर आवासो को खंडहर बनाते जा रहे हैं जिससे परेशान होकर विद्युत गृह के कार्यपालक निदेशक को पत्र दे इस पर संज्ञान लेने की बात कही साथ ही स्थानीय चोर जो मंडल आवास या परिक्षेत्र में रहकर मंडल कर्मचारी एवं मंडल की संपत्ति को क्षति पहुंचा रहे हैं इन्हें चिन्हित कर उनके आवास खाली करा इन्हें मंडल परिक्षेत्र से तत्काल हटाए जाने की बात कही है।

### वर्तमान में पुलिस की सक्रियता जरूरी

लगातार हो रही चोरियो जिसमें स्थानी चोरों कबाड़ियों की भूमिका बनी रही है वर्तमान में 660 मेगावाट के बड़े उद्योग की स्थापना से लगातार बढ़ रही उनकी सक्रियता ताप विद्युत गृह प्रबंध एवं पुलिस को खुली चुनौती है जिस पर पुलिस व विद्युत गृह के अधिकारियों को कठोर कदम उठाने होंगे अन्यथा विद्युत नगरी में भय व अराजकता का माहौल बढ़ता जाएगा।

## खबर संक्षेप

### पपौंध में अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार को रौंदा

**शहडोल।** जिले के पपौंध थाना क्षेत्र अंतर्गत नई बस्ती के पास तेज रफ्तार और लापरवाही का एक और खूनी मंजर सामने आया है। अपने घर लौट रहे एक निर्दोष साइकिल सवार को काल बनकर आए अज्ञात वाहन ने बीच सडक़ पर बेरहमी से रौंद दिया। इस भीषण टक्कर में साइकिल के परखच्चे उड़ गए और साइकिल सवार लहूलुहान होकर सडक़ पर गिर पड़ा। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मिली जानकारी के अनुसार, बरघेलहा निवासी दिनेश कोल उम्र 50 वर्ष अपनी साइकिल से मजदूरी कर घर लौट रहे थे। तभी नई बस्ती के समीप किसी अज्ञात अनियंत्रित वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दिनेश को संभलने तक का मौका नहीं मिला। वारदात को अंजाम देने के बाद कातिल ड्राइवर वाहन सहित मौके से रफूचक्कर हो गया। सूचना पर पहुंची पपौंध पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर फरार वाहन और उसके बेखौफ चालक की तलाश शुरू कर दी है।

### सावधान शहडोल! एक गलत क्लिक और बैंक खाता साफ

**शहडोल।** डिजिटल क्रांति के इस दौर में अगर आप भी बिना सोचे-समझे मोबाइल स्क्रीन पर उंगलियां चला रहे हैं, तो रुक जाइए! आपके बैंक खाते पर साइबर ठगों की गिद्ध नजर है। डीपफेक, फर्जी निवेश और डिजिटल अरेस्ट जैसे नए पैंतरे अपनाकर आम जनता को कंगाली की कगार पर धकेलने वाले इन अदृश्य अपराधियों के खिलाफ अब शहडोल पुलिस ने आर-पार की जंग छेड़ दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मध्य प्रदेश पुलिस के कड़े रुख के बाद, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पूरे जिले में 'सेफ क्लिक 2.0' महाअभियान का शंखनाद हो चुका है। 8 जुलाई तक चलने वाले इस 15 दिवसीय आक्रामक अभियान के तहत पुलिस अब सीधे जनता के बीच उतर आई है। गुरुवार को कोतवाली, सोहागपुर, सिंहपुर, बुढ़ार, धनपुरी, ब्यौहारी समेत जिले के तमाम थानों और चौकियों ने कॉलेज-स्कूलों से लेकर हाट-बाजारों तक में साइबर चौपाल और जनसंवाद के जरिए ठगों की लंका ढहाने का खाका खींचा।वर्तमान में चल रही कॉलेज प्रवेश प्रक्रिया के बीच ठगों ने छात्र-छात्राओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। पुलिस ने युवाओं को साफ चेतावनी दी है कि फर्जी नौकरी के ऑफर, ऑनलाइन गेमिंग और लॉटरी के झांसे में बिल्कुल न आएं। किसी अनजान का वीडियो कॉल उठाने से बचें और भूलकर भी अपना ओटीपी या बैंक डिटेल साझा न करें।शहडोल पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि आप किसी भी प्रकार की डिजिटल धोखाधड़ी का शिकार होते हैं, तो बिना एक पल गंवाए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत ठोकें। याद रखें, समय पर दी गई सूचना ही आपकी डूबी हुई रकम को वापस दिला सकती है। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।

### युवक को पीटकर मांगी रंगदारी, दो बदमाश दबोचे

**शहडोल।** शहर के व्यस्त इंदा चौक पर गुंडागर्दी और रंगदारी चमकाने वाले बदमाशों के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने कड़ा एक्शन लिया है। शराब के लिए एक हजार रुपये की अड़ीबाजी करने, सरेराह मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो शातिर आरोपियों को दबोचकर सलाखों के पीछे भेज दिया है। घटना 24 जून की रात की है। कठी मोहल्ला निवासी फरियादी विक्रम शर्मा अपनी पत्नी के व्रत के लिए फल-फूल खरीदने मोटरसाइकिल से जा रहे थे। तभी इंदा चौक पर घात लगाए बैठे आदतन बदमाश ऋषभ तिवारी, विकास उर्फ बासू लखेरा, शानू यादव और रोहित उर्फ कच्ची शाह ने उन्हें रोक लिया। बदमाशों ने जबरन शराब पीने के लिए पैसों की मांग की। जब विक्रम ने पैसे देने से साफ मना कर दिया, तो आगबबूला बदमाशों ने गालियों की बौछार करते हुए डंडों और लात-घूंसों से उन पर जानलेवा हमला कर दिया।फरियादी की चीख-पुकार सुनकर उनके भाई विनोद शर्मा और स्थानीय नागरिक विनोद राव मौके पर पहुंचे। जनता का भारी हुजूम इक_ा होते देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से दुम दबाकर भाग निकले।

# मोहर्रम पर सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में निकलेंगे दो जुलूस पुलिस रहेगी मुस्तैद: नगर में शांति समिति की बैठक

**बुढार।** नगर में आगामी मोहर्रम पर्व को शांति और आपसी सौहार्द के साथ मनाने के लिए पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव के निर्देशानुसार बुढार थाने में बुलाई गई इस बैठक में मुस्लिम समुदाय, ताजिया कमेटी और ईरानी समुदाय के प्रमुख लोग शामिल हुए। बैठक में निर्णय लिया गया कि नगर में दोनों कमेटियों द्वारा अलग-अलग समय पर जुलूस निकाले जाएंगे,ताकि यातायात और व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

**जुलूस का समय और रूट**

पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र ताम्रकार, हुसैनी ताजेदार कमेटी और अंजुमन हैदरी ईरानी इमामबाड़ा कमेटी के बीच आपसी विचार-विमर्श के बाद जुलूस का रूट और समय निम्नानुसार तय किया गया है: हुसैनी ताजेदार कमेटी का जुलूस:समयः दोपहर 2:30 बजे (26 जून) लखेरन टोला से प्रारंभ होकर जैन मंदिर, कोतमा रोड बस स्टैंड से होते हुए धनपुरी मार्ग की ओर जाएगा और करबाला में विसर्जन होगा।ईरानी

समुदाय का जुलूस:,समयः दोपहर 3:00 बजे (26 जून),सब्जी बाजार से शुरू होकर नेहरू पार्क, लोहिया चौक, बस स्टैंड, नगरपालिका चौक और सिंधी बाजार से होते हुए वापस ईरानी इमामबाड़ा में विसर्जित होगा।इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से उपनिरीक्षक (SI) गोविंद भगत, श्रीमती शोभा नामदेव, पत्रकार आशीष नामदेव, नसीर राजा, पुष्पेन्द्र ताम्रकार, फिरोज अली, समीर नियाजी, सापुर ईरानी, खालू ईरानी, शमशाद खान सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक और समुदाय के लोग उपस्थित रहे।

**अधिकारियों का संदेश,**

शुक्रवार को नगर में निकाले जाने वाले ताजिया और मातमी जुलूस को पूरी तरह से सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए पुलिस प्रशासन ने सभी से आग्रह किया है। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जुलूस के मार्गों और विभिन्न चौराहों पर भारी पुलिस बल तैनात रहेगा।

# बांधवगढ़ में खूनी बाघ पिंजरे में कैद

**उमरिया। जिले के मानपुर क्षेत्र के चंसुरा गांव के किसान अन्नू रजक को मौत के घाट उतारने वाले आदमखोर बाघ को वन विभाग की विशेष रेस्क्यू टीम ने महज कुछ ही घंटों के भीतर जिंदा दबोच लिया है। झलवार और चंसुरा में तीन इंसानी शिकार करने वाले इस बाघ की वजह से पूरे इलाके में आदिवासियों का गुस्सा सातवें आसमान पर था। उग्र आंदोलन और बवाल की आशंका को देखते हुए वन अमले ने गुरुवार की दोपहर ही पलझा उत्तर बीट में अब तक का सबसे बड़ा और सर्च ऑपरेशन शुरू किया।**

बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व के आला अधिकारियों की मौजूदगी में टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स और वन्य प्राणी स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम ने कक्ष क्रमांक आरएफ 604 को चारों तरफ से घेर लिया। इस बेहद खतरनाक और संवेदनशील मिशन में लक्ष्मण, सूर्या, गणेश और सुंदरगज नामक हाथियों ने अपने महावतों के साथ मोर्चे को संभाला। हाथियों की मदद से झाड़ियों में छिपे लगभग 5 वर्षीय इस खूंखार नर बाघ को ढूंढ निकाला गया। जैसे ही बाघ ने दोबारा हमला करने की कोशिश की, वन्य प्राणी स्वास्थ्य अधिकारी की टीम ने अचूक निशाना साधते हुए उसे ट्रेंकुलाइजर (बेहोशी का इंजेक्शन) दाग दिया। इंजेक्शन लगते ही कुछ ही मिनटों में बाघ बेदम होकर जमीन पर गिर पड़ा, जिसके बाद वन अमले ने राहत की सांस ली। कड़े सुरक्षा घेरे में बाघ का ऑन-स्पॉट स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उसके व्यवहार की जांच के लिए ब्लड सैंपल भी लिए गए। शव मिलने के बाद ग्रामीणों का आक्रोश चरम पर था। स्थिति बिगड़ती, इससे पहले ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में संदिग्ध बाघ का सफल रेस्क्यू कर उसे विशेष सुरक्षा के बीच बहेरहा एनक्लोजर भेज दिया गया है, जहां उसकी चौबीसों घंटे निगरानी होगी।

## बंदर को बचाने के चक्कर में पलटी तेज रफ्तार बाइक

**उमरिया।** शहपुरा-उमरिया मार्ग पर गुरुवार की दोपहर एक दिल दहला देने वाला सडक़ हादसा सामने आया है, जहां एक बेजुबान की जान बचाने की मानवीय संवेदना एक परिवार पर बेहद भारी पड़ गई। तमन्नारा और अतरिया के बीच अचानक बाइक के सामने आए एक बंदर को बचाने के चक्कर में तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सडक़ पर बुरी तरह पलट गई। इस भीषण हादसे में 9 महीने के मासूम बच्चे समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गए।मिली जानकारी के अनुसार, बृजकिशोर यादव अपनी पत्नी और 9 माह के दुधमुंहे बच्चे आशु यादव को बाइक पर बैठाकर शहपुरा से उमरिया की ओर आ रहे थे। तभी अचानक झाड़ियों से निकलकर एक बंदर बाइक के सामने आ गया। रफ्तार तेज होने के कारण चालक बृजकिशोर जैसे ही बंदर को बचाने के लिए ब्रेक मारा, बाइक सडक़ पर दूर तक घिसटती चली गई। हादसा इतना भयानक था कि मासूम आशु और बृजकिशोर के सिर व शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं, जबकि महिला को भी अंदरूनी चोटें लगी हैं। चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी, जिसके बाद घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। फिलहाल डॉक्टरों की टीम घायलों के इलाज में जुटी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

## भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

**शहडोल।** भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा ने शहर के एक निजी अस्पताल के सहयोग से स्वस्थ शिविर का आयोजन किया , जिसमें दो अलग-अलग चिकित्सकों के द्वारा कुल 78 मरीजो का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें नि?:शुल्क चिकित्सा सलाह दी गई। चिकित्सा शिविर में प्रतिष्ठित सर्जन डॉ. साई विकास एवं यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर हिमांशु पांडेय ने मरीजो को परामर्श दिया। भारत विकास परिषद ने उपस्थित चिकित्सक द्वारा के प्रति कृतज्ञता प्रीत करते हुए समाज एवं मानवता के प्रति उनके योगदान को सराहनीय कदम बताया तथा उनका स्वागत किया सलाह लेने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को ऊर्जादायक पेय का वितरण किया गया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद के अध्यक्ष मनीष गुप्ता, सचिव श्रीमती नीति सिंघल, कोषाध्यक्ष अशोक मोर, रीजनल संपर्क संयोजक एस एस जौहरी, प्रांतीय संयोजक रविंद्र गुप्ता के साथ-साथ रवि नेमा, विजय दुबे, सुशील सिंघल ,अखिलेश शर्मा, डॉ ओपी चौधरी ममता नेमा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

## कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा बनाया जा रहा है वैल्यू चेन पार्टनर

**शहडोल।** उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास शहडोल ने बताया कि भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय मिशन ऑन एडिबल ऑयल-ऑयल सीड्स योजना के अंतर्गत गठित क्लस्टरों में प्रमुख फसलों की पहचान कर योजना प्रावधानों के अनुसार कार्य संपादित करने हेतु वैल्यू चेन पार्टनर बनाए जा रहे हैं, जिनके चयन के लिए 29 जून तक आवेदन पत्र उप चालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास कार्यालय शहडोल से प्राप्त कर सकते है। उन्होंने बताया कि तिलहनी फसलों के क्षेत्र में कार्यरत कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ), सहकारी संस्थाएं, कॉर्पोरेट संस्थान तथा सार्वजनिक एवं निजी निगम वैल्यू चेन पार्टनर के रूप में चयन हेतु आवेदन कर सकते हैं।

# मोहर्रम पर्व पर कल निकलेगा जुलूस

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में मोहर्रम पर्व को लेकर चहल-पहल बढ़ गई है। मोहर्रम पर्व पर निकाले जाने वाले ताजियां व सवारी जूलूस को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। मिशन चौक स्थित दिलावर चौक से लेकर सुभाष चौक तक पूरे जूलूस मार्ग पर आकर्षक व मनोहारी विघुत साज-सज्जा की गई है। आजाद चौक व मिशन चौक से लेकर सुभाष चौक तक रंगनी विद्युत साज सज्जा की गई है। ताजिया निर्माण में लोग व्यस्त हैं। तजिया जुलूस व प्रदर्शन की तैयारी पूरी कर ली गई है। बुधवार की रात शहर व उपनगरीय क्षेत्रों में अली गोल का जुलूस निकाला गया।आज 25 जून को शहीदी रात रहेगी और इसके बाद 26 जून को शहर में मोहर्रम का जूलूस पारंपरिक रूप से निकाला जाएगा।

अंजूमन इस्लामिया कमेटी के मुताबिक इस बार मोहर्रम के जूलूस में लगभग आधा सैकड़ा ताजिया व एक सैकड़ा के लगभग सवारियां शामिल होंगी। मोहर्रम की 8 तारीख को शाम 6 बजे सभी मोहल्लों से अली गोल उठा और दिलावर चौक में एकत्रित हुआ। दिलावर चौक से जूलूस शुरू होकर नगर निगम, सुभाष चौक, अल्फर्ट गंज, मधई मंदिर, मेनरोड, झन्डा बाजार, रूई मंडी, गांधी द्वार, कोतवाली तिराहा होता हुआ दिलावर चौक में आकर समाप्त हुआ।

आज 25 जून को मोहर्रम की 9 तारीख को शहादत की रात रहेगी जिसमें रात्रि 1 बजे से रात्रि 1:30 बजे के बीच समस्त ताजिये सवारी व अखाड़े ढोल दिलावर चौक में एकत्रित होकर यासीन रजा चौक, मौला चौक, नगर निगम के सामने से होता हुआ कमानिया गेट जायेगा। वहां सवारियां सुभाष वार्ड के मोहल्ले में जायेगी वहां मधई मंदिर से होते हुये कमानिया गेट पहुंचेगी। खिरहनी फाटक का ताजिया भी कमानिया गेट पहुंचेगा, लगभग दो घंटे मजमा स्व. गुलाम भाई की दुकान के सामने रूकेगा। इसके बाद सुभाष चौक व कोतवाली तिराहा होते हुए दिलावर चौक में जुलूस का समापन होगा। 26 जून को मोहर्रम की 10 तारीख रहेगी और शहर में मोहर्रम का जूलूस निकाला जाएगा। शाम 7 बजे से 8 बजे तक दिलावर चौक में सवारिया, अखाड़े व ताजियों का जमावड़ा होगा। यहां से मोहर्रम का विशाल जूलूस शुरू होगा। जुलूस दिलावर चौक से शुरू होकर नगर निगम के सामने, कोतवाली तिराहा, सुभाष चौक होते हुए मेन रोड स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर के पहले आकर रूक आएगा। यहां लगभग 2-3 घंटे जुलूस रूक कर फिर इसी मार्ग से वापस होगा और फिर देररात कर्बला में जूलूस का समापन होगा।

*स्कूल में उपस्थिति बढ़ाने एवं आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के दिये निर्देश*

# सीईओ ने विद्यालयों और अपूर्ण आवासों का औचक निरीक्षण कर लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर के निर्देश पर जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी का सिलसिला जारी है। बुधवार को जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी युजवेंद्र कोरी ने शिक्षा की गुणवत्ता परखने शासकीय प्राथमिक शाला सनकुई और प्राथमिक शिक्षा गारंटी शाला का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया। श्री कोरी ने विद्यालय में छात्र-छात्राओं की अनुपस्थिति और मेन्यू के अनुसार मध्यान्ह भोजन नहीं पाए जाने पर नाराजगी जताई। कुछ विषयों की पुस्तकें नहीं आना बताया गया। सीईओ श्री कोरी ने विद्यालय में उपस्थिति बढ़ाने पालकों से सतत संपर्क करने निर्देशित किया गया।

उन्होंने कहा कि छात्र छात्राओं को निर्धारित मेन्यू के अनुसार प्रतिदिन गुणवत्तापूर्ण, गर्मागर्म स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान हैंडपंप खराब होने के कारण मरम्मत कराए जाने योग्य है, इस संबंध में जानकारी दी गई।

**खाम्हा में घर घर जाकर हितग्राहियों से संवाद**

सीईओ श्री कोरी ने ग्राम पंचायत खाम्हा में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत अपूर्ण आवासों के हितग्राहियों से घर घर जाकर और समूह में संवाद किया। उन्होंने कुल 62 में से शेष 31 अपूर्ण आवासों के हितग्राहियों से शीघ्र आवास पूर्ण कराने हेतु समझाइश दी। उन्होंने राजकुमार, सुनीता बाई, सचिन कोल, बलराम एवं अन्य हितग्राहियों से आवास अभी तक पूर्ण नहीं होने के संबंध में कारणों की जानकारी ली। आवास प्लस 2.0 में शेष 101 हितग्राही में से दुर्गा राजमणि, आरती, राधा, अंजनी, वंदना एवं अन्य का पुनःसत्यापन किया गया।

इस दौरान पीएम आवास (ग्रामीण) के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अभिषेक भार्गव, गणेश मेहरा, कृष्ण कुमार लोधी, सुशील चौधरी,अंजू कोल ,अजय कुमार पटेल, भुवनेश्वर बर्मन आदि मौजूद रहे।

**नशामुक्त अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन**

# स्वयं नशे से दूर रहे एवं परिवार और समाज को भी करें जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शासकीय महाविद्यालय बरही में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रेड रिबन क्लब द्वारा प्राचार्य डॉ. आर. के. त्रिपाठी के मार्गदर्शन, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरविंद सिंह के नेतृत्व में नशामुक्त भारत अभियान, विकसित भारत की पहचान थीम पर आधारित विभिन्न साप्ताहिक जागरूकता गतिविधियों के अंतर्गत पोस्टर, स्लोगन, निबंध प्रतियोगिता, लघु फिल्म प्रदर्शन एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिनमें विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक बढ़ चढ़कर सहभागिता की गई एवं नशा मुक्त भारत का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में डॉ. अरविंद सिंह ने बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान, विकसित भारत की पहचान थीम तथा अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के उपलक्ष्य में 17 जून से 26 जून तक आयोजित होने वाले जागरूकता कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें नैतिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाना है, जिससे कि स्वस्थ, जागरूक और विकसित भारत के निर्माण में उनकी सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित हो सके। साथ ही समाज में बढ़ती मद्यपान और नशीली दवाओं, मादक पदार्थों के दुष्परिणामों से युवाओं, विद्यार्थियों और समाज को अवगत कराना है। नशे के कारण न सिर्फ धनहानि होती हैं, बल्कि परिवार भी टूटते हैं। इसलिए हमें खुद भी नशे से दूर रहना चाहिए और दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए। नशा मुक्त समाज ही आदर्श समाज होता है।

अगले चरण में प्रेरक लघु फिल्म के प्रदर्शन द्वारा समाज में नशे से ग्रस्त कोई भी व्यक्ति यदि नशे की आदत से छुटकारा पाना चाहता है तो वह अपने आस-पास या जिला मे स्थापित नशा मुक्ति केंद्र में संपर्क कर सकता है और संवाद या इलाज के माध्यम से नशे से छुटकारा पा सकते है साथ ही लोगों को नशे से दूर रहने के लिए चलाये जा रहे जागरूकता अभियान को सफल बनाने में अपनी सहभागिता देने के लिए प्रेरित किया गया।

प्राचार्य डॉ. आर. के. त्रिपाठी द्वारा नशे के दुष्प्रभावाओं की भी जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न प्रकार के मद्यपान से होने वाली बीमारियों से भी अवगत कराया गया। नशा नाश का कारण होता है इसलिए कभी भी समाज के युवाओं को नशे की ओर नहीं भटकना चाहिए क्योंकि जो एक बार नशे की गिरफ्त में आ जाता है उससे आसानी से उबर नहीं सकता है। साथ ही उपस्थित अन्य विशेषज्ञों ने नशे से होने वाले मानसिक, शारीरिक और सामाजिक नुकसान के बारे में बताया एवं नशे की लत से बचने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. आर. के. त्रिपाठी द्वारा रा. से. यो. स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों एवं उपस्थित स्टाफ के सदस्यों को मद्यपान निषेध की शपथ दिलाकर सभी से नशामुक्त समाज बनाने मे अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। इस दौरान युवाओं और समाज के मार्गदर्शन के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 14446 एवं 1933 की जानकारी भी साझा की गई।

## कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की लगी ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मुहर्रम पर्व के त्यौहार को शांति, सद्भाव और निर्विघ्न रूप से संपन्न कराने व कानून व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर तहसील विजयराघवगढ़ व बरही में कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही सभी पटवारियों को अपने-अपने मुख्यालय में उपस्थित रहते हुये त्यौहार से जुड़ी सभी गतिविधियों पर नजर रखने और संबंधित कार्यपालिक मजिस्ट्रेट को अवगत कराने के निर्देश दिये गये हैं।

जारी आदेश के अनुसार तहसील विजयराघवगढ़ अंतर्गत वृत्त विजयराघवगढ़ एवं कारीतलाई के सभी गांवों की जिम्मेदारी तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट मनीष शुक्ला को सौंपी गई है। उनके सहयोग के लिए राजस्व निरीक्षक बालकिशन ठाकुर सहित लक्ष्मीकान्त दाहिया, शिवप्रकाश तिवारी, मुनेन्द्र मिश्रा, अतुल तिवारी और अनवर अफरीदी जैसे कई पटवारियों की टीम तैनात रहेगी। वहीं बरही तहसील एवं पिपरियाकलॉ वृत्त की कमान बरही तहसीलदार व कार्यपालिक मजिस्ट्रेट आदित्यप्रकाश द्विवेदी संभालेंगे। उनके सहयोग में राजस्व निरीक्षक गौरव विश्वकर्मा और संजय राठौर, रमाकान्त चतुर्वेदी सहित अन्य पटवारी मुस्तैद रहेंगे।

वृत्त सिनगौडी एवं देवराकला में नायब तहसीलदार व कार्यपालिक मजिस्ट्रेट राजेन्द्र श्रीवास्तव और राजस्व निरीक्षक जानकी पटेल और प्रभारी राजस्व निरीक्षक भगवन्त सिंह को तैनात किया गया है। उबरा वृत्त तहसील विजयराघवगढ़ के सभी गांवों की सुरक्षा व्यवस्था नायब तहसीलदार नरेन्द्र खरे की निगरानी में रहेगी।

## खबर संक्षेप

### जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा जिला जेल का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

**अनूपपुर।** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष श्रीमती माया विश्वलाल द्वारा 25 जुन को जिला जेल अनूपपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर की साफ-सफाई, बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही भोजन, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान बंदियों से चर्चा कर उनकी समस्याएं एवं शिकायतें सुनी गईं तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता एवं उनके अधिकारों के संबंध में जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर बॉबी सोनकर न्यायाधीश, बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी, इंद्रदेव तिवारी जेल अधीक्षक, संतदास नापित चीफ, रामकृष्ण सोनी डिप्टी चीफ, श्रीमती शोभा पटेल असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल अनूपपुर एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने जेल प्रशासन को व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार एवं बंदियों के कल्याण हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

### ग्राम पंचायत मोहंदी में मनाया गया महारानी दुर्गावती बलिदान दिवस

**अनूपपुर।** गोंडवाना साम्राज्य की महारानी दुर्गावती बलिदान दिवस ग्राम पंचायत मोंहदी में मनाया गया और पंडरी टोला ग्राम पंचायत मोहंदी चौराहा को दुर्गावती चौक के नाम से जाना जाएगा। जिसमें उपस्थित मुख्य अतिथि तिरु. गंगा सिंह नेटी जिला उपाध्यक्ष गोंगपा. अनूपपुर, तिरु. विशिष्ट अतिथि अवध सिंह धुर्वे कार्यवाहक जिला अध्यक्ष गोंगपा अनूपपुर, तिरु.गजेन्द्र सिंह मरावी नव्युक्त ब्लॉक अध्यक्ष गोंगपा पुष्पराजगढ़ कुशराम पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पराजगढ़, सेवा पुसाम ब्लॉक सचिव गोंगपा. पुष्पराजगढ़ ग्राम पंचायत मोहंदी सरपंच तिरू. दशरथ सिंह मार्को, तिरु. आनंद महोबे सचिव ग्राम पंचायत मोहंदी, तिरु. नारद सिंह श्याम और ग्राम पंचायत मोहंदी के जनप्रतिनिधिगण, ग्रामीण जन एवं क्षेत्रीय लोगों कि उपस्थिति रही।

### आदिवासी विरोधी मानसिकता का आरोप

# अमरकंटक आईजीएनटीयू रजिस्ट्रार के खिलाफ अभिभावकों का मोर्चा

**29 जून से अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी**

**कलेक्टर के नाम एसडीएम पुष्पराजगढ़ को सौंपा ज्ञापन**

**अनूपपुर।** इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के अंतर्गत संचालित मॉडल ट्राइबल स्कूल के उन्नयन को लेकर विवाद गहरा गया है। अभिभावक संघ ने विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. संजीव सिंह पर आदिवासी विरोधी मानसिकता से ग्रसित होने और मंत्रालय को गुमराह करने का गंभीर आरोप लगाया है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि स्कूल को कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक अपग्रेड नहीं किया गया, तो आगामी 29 जून से विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर उग्र अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।मध्य प्रदेश के सुदूर और पहाड़ी आदिवासी अंचल अमरकंटक में जनजातीय बच्चों को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से मॉडल ट्राइबल स्कूल की स्थापना की गई थी। वर्तमान में यह आवासीय विद्यालय केवल कक्षा 1 से 8 वीं तक ही संचालित हो रहा है। इसके कारण 8 वीं उत्तीर्ण करने के बाद गरीब आदिवासी बच्चों, विशेषकर छात्राओं को आगे की शिक्षा के लिए सुदूर क्षेत्रों में जाने को विवश होना पड़ता है। परिवहन के अभाव और आर्थिक तंगी के चलते कई होनहार छात्र अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इस गंभीर संकट को देखते हुए अभिभावक संघ लंबे समय से विद्यालय को कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक उन्नत (अपग्रेड) करने तथा आवश्यक शिक्षक पदों व बजट की स्वीकृति की मांग कर रहा है। जनप्रतिनिधियों और सांसदों के निरंतर समर्थन के बावजूद, विश्वविद्यालय प्रबंधन और विशेष रूप से रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा इस दिशा में की जा रही कथित हठधर्मिता और ढुलमुल नीति के खिलाफ अब अभिभावकों का आक्रोश फूट पड़ा है।

**रजिस्ट्रार पर षड्यंत्र और आदिवासी विरोधी मानसिकता का आरोप**

अभिभावक संघ के अध्यक्ष हेमंत कुमार मरावी ने लिखित शिकायत में आरोप लगाया है कि मॉडल ट्राइबल स्कूल के विस्तार के प्रस्ताव को जानबूझकर ठंडे बस्ते में डाला जा रहा है। संघ का कहना है कि रजिस्टर भूमिका इस पूरे घटनाक्रम में संदिग्ध रही है। वे जनजातीय क्षेत्र के बच्चों को उच्च शिक्षा से वंचित रखने की दुर्भावना से कार्य कर रहे हैं और उच्च मंत्रालयों को भी इस विषय में भ्रामक जानकारियां भेजकर गुमराह कर रहे हैं।

**सांसदों और महामहिम राष्ट्रपति तक पहुंचा विद्यालय का मामला**

इस संवेदनशील मुद्दे पर क्षेत्र के कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि भी छात्रों के पक्ष में उतर आए हैं। लोकसभा सांसद हिमाद्री सिंह (शहडोल), सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते (मंडला), सांसद गजेंद्र सिंह पटेल (खरगोन) तथा राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल उरांव को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भी ज्ञापन भेजकर सत्र 2026-27 से कक्षा 9 वीं से 12 वीं के शैक्षणिक संचालन हेतु अंतरिम राहत और बजट आवंटन स्वीकृत करने का पुरजोर अनुरोध किया गया है।

**आधारभूत संरचना उपलब्ध, फिर भी बजट और पदों की स्वीकृति में देरी**

सांसदों द्वारा भेजे गए पत्रों के अनुसार, आईजीएनटीयू परिसर में मॉडल ट्राइबल स्कूल के पास कक्षा 1 से 12 वीं तक के दो सेक्शन के संचालन के लिए पर्याप्त भव्य आवासीय भवन, पृथक छात्र-छात्रा छात्रावास (250-250 क्षमता) और आवश्यक अधोसंरचना पहले से ही निर्मित है। विद्यालय को पूर्ण रूप से संचालित करने के लिए केवल 12 आवास प्राचार्यों, उप-प्राचार्यों और शिक्षकों के पदों की प्रशासनिक स्वीकृति तथा आवश्यक वित्तीय बजट की आवश्यकता है, जिसे विश्वविद्यालय प्रशासन की कथित लापरवाही के कारण अब तक लटका कर रखा गया है।

**29 जून से विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर तालाबंदी और अनिश्चितकालीन चक्काजाम**

अभिभावक संघ ने स्पष्ट कर दिया है कि उनके सब्र का बांध अब टूट चुका है। संघ द्वारा कलेक्टर अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर, एसडीओपी पुष्पराजगढ़ और थाना अमरकंटक को प्रतिलिपि भेजकर औपचारिक रूप से सूचित कर दिया गया है कि यदि 28 जून तक इस समस्या का त्वरित निवारण नहीं हुआ, तो सोमवार, 29 जून से सभी पीड़ित अभिभावक और आदिवासी छात्र संगठन मिलकर विश्वविद्यालय के मेन गेट पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन और तालाबंदी करेंगे, जिससे उत्पन्न किसी भी कानून-व्यवस्था की स्थिति के लिए विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन पूरी तरह जिम्मेदार होंगे।

### खाई में गिरने से युवक की मौत, सड़क हादसे में 10 वर्षीय बालक ने गंवाई जान

**अनूपपुर।** जिले के कोतवाली एवं जैतहरी थाना क्षेत्र में हुए दो अलग-अलग हादसों में एक युवक और एक नाबालिग बालक की मौत हो गई। दोनों मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भालूमाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी की बड़ी मौहरी निवासी विनोद कुमार साहू अपने परिवार के सात सदस्यों के साथ मां नर्मदा के दर्शन करने अमरकंटक गए थे। दर्शन के बाद सभी लोग कार क्रमांक एपी-18-जेडसी-2522 से घर लौट रहे थे। इसी दौरान किरर घाट में सिद्धबाबा के नीचे सामने से आ रही कार क्रमांक एमपी-51-सीए-6950 से उनकी कार की भिड़ंत हो गई। हादसे में 10 वर्षीय आयुष साहू पिता विनोद कुमार साहू गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। दुर्घटना में कार में सवार अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनका उपचार जिला चिकित्सालय अनूपपुर में जारी है। गुरुवार सुबह जिला चिकित्सालय स्थित पुलिस सहायता केंद्र में पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं दूसरी घटना जैतहरी थाना क्षेत्र के ग्राम बैहार के दुखवाटोला की है। यहां 45 वर्षीय पचलू बैगा पिता स्वर्गीय ऐतू बैगा की 60 फीट गहरी खाई में गिरने से मौत हो गई। गुरुवार सुबह सूचना मिलने पर थाना प्रभारी अमर वर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शव को खाई से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम कराया। परिजनों के अनुसार पचलू बैगा को मिर्गी की बीमारी थी और संभवतः देर रात किसी कार्य से घर से बाहर निकले दौरान चक्कर आने से खाई में गिर गए। पुलिस ने दोनों मामलों में जांच प्रारंभ कर दी है।

# कपिलधारा अमरकंटक में सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल, टूटा कांच बना हादसे का कारण

**अमरकंटक।** पवित्र नगरी अमरकंटक के प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल कपिलधारा जलप्रपात में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर चिंता का विषय सामने आया है। जानकारी के अनुसार कपिलधारा क्षेत्र में लगाए गए सुरक्षा कांच (ग्लास बैरियर) का एक हिस्सा टूट गया है, जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों एवं स्थानीय लोगों के अनुसार टूटे हुए कांच के कारण पर्यटकों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। कपिलधारा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने पहुंचते हैं। ऐसे में सुरक्षा अवरोधक के क्षतिग्रस्त होने से किसी भी प्रकार की अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि संबंधित विभाग को तत्काल संज्ञान लेते हुए टूटे हुए कांच को हटाकर नई एवं मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि पर्यटकों और श्रद्धालुओं की जान-माल की सुरक्षा बनी रहे। लोगों ने यह भी मांग की है कि कपिलधारा सहित अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर नियमित निरीक्षण की व्यवस्था की जाए, जिससे इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। गौरतलब है कि अमरकंटक प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन केंद्रों में शामिल है, जहां वर्षभर हजारों श्रद्धालु एवं पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में सुरक्षा संबंधी छोटी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का रूप ले सकती है। नागरिकों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से शीघ्र कार्रवाई कर क्षेत्र को सुरक्षित बनाने की मांग की है। स्थानीय लोगों का मानना है कि समय रहते आवश्यक मरम्मत एवं सुरक्षा प्रबंध नहीं किए गए तो भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभाव से आवश्यक कदम उठाए जाएं।

### निर्जला एकादशी (भीमसैनी ग्यारस) पर हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र नर्मदा में लगाई आस्था की डुबकी

**अमरकंटक।** प्रदेश के प्रमुख धार्मिक, आध्यात्मिक तीर्थ स्थल एवं पर्यटन केंद्र पवित्र नगरी अमरकंटक में ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादशी (भीमसैनी ग्यारस) एवं स्वाती नक्षत्र के पावन संयोग पर गुरुवार को हजारों श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा के पवित्र जल में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं ने स्नान, ध्यान, पूजन-अर्चन एवं दर्शन कर सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओं का नर्मदा तटों पर पहुंचना प्रारंभ हो गया था। श्रद्धालु अपने परिवारजनों एवं स्वजनों के साथ मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाकर जप, तप, साधना और पूजा-अर्चना में जुटे रहे। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा उद्गम स्थल स्थित पवित्र कुंड में आचमन एवं स्नान कर नर्मदा मंदिर में दर्शन-पूजन किया। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा के समक्ष अपने परिवार की कुशलता, सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य, यश एवं उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। अनेक श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन के साथ पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार विधिवत पूजन-अर्चन एवं आरती संपन्न की। निर्जला एकादशी के अवसर पर पुष्पराजगढ़ अंचल, अनूपपुर, कोतमा, बुढार, धनपुरी, शहडोल, गौरेला, पेंड्रा, मरवाही, कोरबा, बिलासपुर, लोरमी एवं मुंगेली सहित विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचे। इसके अतिरिक्त राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु धर्म लाभ अर्जित करने के लिए आए। नर्मदा नदी के रामघाट, कोटितीर्थ कुंड, पुष्कर बांध तथा आरंडी संगम सहित विभिन्न स्नान स्थलों पर पूरे दिन श्रद्धालुओं द्वारा स्नान, ध्यान एवं पूजन-अर्चन का क्रम जारी रहा। हालांकि गत वर्षों की तुलना में इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या कुछ कम दिखाई दी। स्थानीय लोगों के अनुसार इसका प्रमुख कारण किसानों का खेती-किसानी के कार्यों, जुताई एवं बुवाई में व्यस्त होना माना जा रहा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार निर्जला एकादशी का व्रत एवं स्नान वर्ष की सभी एकादशियों के समान पुण्यफल प्रदान करने वाला माना जाता है। इसी कारण इस पावन अवसर पर अमरकंटक में श्रद्धालुओं की विशेष आस्था देखने को मिली।

### विकास को मिलेगी नई रफ्तार

# अडानी थर्मल पावर द्वारा प्रस्तावित जलाशय और एनीकट निर्माण का मार्ग हुआ प्रशस्त

**10 गांवों के प्रभावित भू-स्वामियों और जनप्रतिनिधियों ने खुलकर किया समर्थन**

**जल संरक्षण और समृद्धि का नया सवेरा, जनसुनवाई में उमड़ा जनसैलाब**

**उचित मुआवजे और पारदर्शिता के साथ शुरू होगी ऐतिहासिक परियोजना**

**अनूपपुर/कोतमा।** जिले के कोतमा तहसील में जल संरक्षण और क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। क्षेत्र में प्रस्तावित जलाशय (रिजर्वयार) और एनीकट निर्माण को लेकर आयोजित की गई लोक सुनवाई पूरी तरह से शांतिपूर्ण और सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई। इस परियोजना से प्रभावित होने वाले सभी 10 गांवों के भू-स्वामियों, स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने कंपनी की विकासपरक नीतियों की जमकर सराहना की। ग्रामीणों ने न केवल परियोजना का खुलकर समर्थन किया, बल्कि इसे क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए बेहद जरूरी और दूरदर्शी कदम बताया। उचित मुआवजे के आश्वासन के बाद ग्रामीणों के चेहरे खिले नजर आए। कोतमा तहसील के अंतर्गत आने वाले 10 प्रमुख गांवों छतई, गुलीडांड, पचखुरा, छूलहा, मैनटोला, पथरौढ़ी, भाटाडांड, चंगेरी, कटकोना और पयारी में इस जलाशय और एनीकट के निर्माण से विकास की एक नई इबारत लिखी जाएगी। इस महात्वाकांक्षी परियोजना के लिए कुल 72.73 हेक्टेयर निजी भूमि का अर्जन किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए भूमि स्वामियों की सहमति और आपत्तियों को सुनने के लिए ग्राम मझौली और ग्राम करकोना के पंचायत परिसरों में भव्य लोक सुनवाइयां आयोजित की गईं। यह पूरी वैधानिक प्रक्रिया श्भूमि अर्जन, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के कड़े प्रावधानों के तहत पूरी पारदर्शिता के साथ संचालित की जा रही है, जिससे ग्रामीणों में खासा उत्साह है।

**जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने एक सुर में जताया भरोसा**

इस लोक सुनवाई के दौरान क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य रिंकू रामजी मिश्रा ने पूरी मजबूती के साथ परियोजना के पक्ष में अपना मत रखा। उन्होंने इस जलाशय को कोतमा क्षेत्र के भविष्य को बदलने वाला और विकास का एक बड़ा मील का पत्थर करार दिया। उनके साथ ही प्रभावित विभिन्न ग्रामों के सरपंचों, उप-सरपंचों और प्रबुद्ध नागरिकों ने भी कंपनी के इस प्रोजेक्ट की जमकर वकालत की। ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से माना कि इस जलाशय और एनीकट के बनने से क्षेत्र के गिरते जलस्तर में बड़ा सुधार होगा। इसके साथ ही कृषि कार्यों के लिए सिंचाई की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, जिससे स्थानीय स्तर पर खुशहाली और समृद्धि का नया दौर शुरू होगा।

**प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पारदर्शी प्रक्रिया संपन्न**

इस पूरे सामाजिक समाघात अध्ययन और लोक सुनवाई की प्रक्रिया को जिला प्रशासन की प्रत्यक्ष देख-रेख में बेहद निष्पक्ष तरीके से पूरा किया गया। इस महत्वपूर्ण जनसुनवाई का कुशल संचालन एवं अध्यक्षता कोतमा के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सतीश वर्मा और डिप्टी कलेक्टर कमलेश पुरी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि अधिनियम के नियमों के तहत हर प्रभावित को उचित मुआवजा और पुनर्वास का लाभ दिया जाएगा। प्रशासन की इस संवेदनशीलता और पारदर्शी रवैये के कारण पूरी प्रक्रिया बिना किसी विरोध के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकी, जिसने एक सकारात्मक मिसाल पेश की है।

**जल संरक्षण और रोजगार के खुलेंगे नए द्वार**

प्रस्तावित जलाशय और एनीकट के निर्माण से केवल सिंचाई की व्यवस्था ही सुदृढ़ नहीं होगी, बल्कि क्षेत्र के पर्यावरण और भूजल स्तर को भी नया जीवन मिलेगा। गर्मियों के दिनों में होने वाली पानी की किल्लत से प्रभावित गांवों को हमेशा के लिए निजात मिल जाएगी। इस परियोजना के धरातल पर उतरने से स्थानीय युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के सैकड़ों नए अवसर पैदा होंगे। कंपनी की विकास परक नीतियों के चलते क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का विकास तेजी से होगा। यही कारण है कि ग्रामीणों ने अपनी जमीनों को विकास कार्य के लिए सहर्ष देने की सहमति जताई है, जिससे आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

**जनसुनवाई में उमड़ी भारी भीड़**

ग्राम पंचायत परिसरों में आयोजित इस ऐतिहासिक लोक सुनवाई में भारी संख्या में प्रभावित गांवों के किसान, भू-स्वामी और महिलाएं उपस्थित रहीं। इस दौरान क्षेत्र के तमाम गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, विभिन्न मीडिया संस्थानों के पत्रकार और कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी पक्षों के बीच बेहद सकारात्मक संवाद देखने को मिला, जहां हर किसी ने क्षेत्र के व्यापक हित को सर्वोपरि रखा। आपसी तालमेल, बेहतर समन्वय और प्रशासन के सहयोग के चलते यह जनसुनवाई कोतमा विधानसभा क्षेत्र के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुई है, जिससे अब विकास कार्यों की रफ्तार और तेज होगी।